भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4989

01 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

विषय:कपास की फसल की प्रति हैक्टेयर पैदावार

4989.श्री राव राजेन्द्र सिंह:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) कपास के बढ़ते आयात के मद्देनजर देश में इसके उत्पादन में वृद्धि करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास देश के विभिन्न भागों में उगाई जाने वाली कपास की फसलों की प्रति हैक्टेयर उपज के संबंध में कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या कपास की प्रति हैक्टेयर पैदावार बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग कपास के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए 2014-15 से 15 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) (पूर्ववर्ती एनएफएसएम) के तहत कपास विकास कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023-24 के दौरान एनएफएसएनएम के तहत 8 प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में आईसीएआर-केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (सीआईसीआर), नागपुर द्वारा 'कृषि-पारिस्थितिक जोन के लिए प्रौद्योगिकी लक्षित-कपास उत्पादकता बढ़ाने के लिए श्रेष्ठ प्रथाओं का व्यापक प्रदर्शन' नामक कपास संबंधी एक विशेष परियोजना का कार्यान्वयन किया गया है और कपास की उत्पादकता बढ़ाने के लिए यह परियोजना 2024-25 में जारी है।

सरकार, कपास की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने और लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए वर्षों से कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि कर रही है। वर्ष 2024-25 के दौरान, मध्यम रेशा कपास और लंबे रेशा कपास के लिए एमएसपी को बढ़ाकर क्रमश: रु.7121/क्विंटल और रु.7521/क्विंटल किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.6% और 7.1% अधिक है।

वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक प्रमुख उत्पादक राज्यों हेतु कपास की उपज का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य	उपज (किग्रा/हैक्टेयर		
	2022-23	2023-24	2024-25*
महाराष्ट्र	338	323	371
गुजरात	602	574	507
तेलंगाना	495	475	468
कर्नाटक	460	471	486
राजस्थान	579	444	500
मध्य प्रदेश	410	486	486
हरियाणा	296	444	366
आंध्र प्रदेश	372	297	368
ओडिशा	554	554	596
पंजाब	303	500	463
तमिलनाडु	313	330	353
अखिल भारत	443	436	437

स्रोत: डीएएंडएफडब्ल्यू। * - दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार

*****